भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान भुवनेश्वर
Indian Institute of Technology Bhubaneswar

प्रेस विज्ञप्ति

आईआईटी भुवनेश्वर ने रिन्यूएबल एनर्जी इनोवेशन को बढ़ावा देने के लिए ग्रिड्को और एनटीयू सिंगापुर के साथ रिसर्च सहयोग समझौता किया है

भुवनेश्वर, 11 दिसंबर 2025: भारतीय प्रद्योगिकी संस्थान (आईआईटी) भुवनेश्वर ने हाल ही में ग्रिड्को लिमिटेड और नानयांग टेक्नोलॉजिकल यूनिवर्सिटी (एनटीयू), सिंगापुर के साथ एक ऐतिहासिक रिसर्च कोलैबोरेटिव एग्रीमेंट साइन किया है। इसका मकसद रिन्यूएबल एनर्जी के चार मुख्य क्षेत्रों–बैटरी एनर्जी स्टोरेज, माइक्रोग्रिड्स, वेस्ट-टू-एनर्जी और एग्री-फोटोवोल्टिक्स में चार बड़े प्रोजेक्ट्स को आगे बढ़ाना है। यह सहयोग प्रोटोटाइप डेवलपमेंट, फील्ड डिप्लॉयमेंट और कमर्शियल-स्केल इम्प्लीमेंटेशन को संभव बनाएगा, जो भारत के रिन्यूएबल एनर्जी इकोसिस्टम को, खासकर पूर्वी क्षेत्र में, मजबूत करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

आईआईटी भुवनेश्वर अत्याधुनिक रिसर्च और डेवलपमेंट इंफ्रास्ट्रक्चर विकसित करके और रणनीतिक अंतर्राष्ट्रीय पार्टनरशिप को बढ़ावा देकर खुद को एक राष्ट्रीय रिन्यूएबल एनर्जी हब के रूप में स्थापित कर रहा है। इस सहयोग के माध्यम से, संस्थान का लक्ष्य ऐसे बदलाव लाने वाली पहलों का नेतृत्व करना है जो देश के भविष्य के एनर्जी परिदृश्य को आकार देंगी, साथ ही ओडिशा सरकार के एनर्जी-ट्रांज़िशन लक्ष्यों का भी समर्थन करेंगी।

इस विज़न को आगे बढ़ाते हुए, ग्रीन हाइड्रोजन में सेंटर ऑफ़ एक्सीलेंस बनाने के लिए IIT भुवनेश्वर, ग्रिड्को लिमिटेड, आभाडा और रीन्यू प्राइवेट लिमिटेड के बीच एक MoU पर भी साइन किए गए। प्रस्तावित सेंटर ग्रीन हाइड्रोजन और इससे जुड़े क्षेत्रों में ट्रांसलेशनल रिसर्च, एंटरप्रेन्योरशिप और कमर्शियल टेक्नोलॉजी डेवलपमेंट पर फोकस करेगा। यह पहल इनोवेशन को बढ़ावा देगी, एक मज़बूत रिसर्च और इंडस्ट्री इकोसिस्टम बनाएगी, और माननीय प्रधानमंत्री के नेट-ज़ीरो मैंडेट के अनुसार एनर्जी ट्रांज़िशन के लिए ओडिशा को एक लीडिंग हब के रूप में उभरने में तेज़ी लाएगी।

ये समझौता, 5 से 7 दिसंबर 2025 तक पुरी में हुए ग्लोबल एनर्जी लीडर्स समिट (GELS-25) के दौरान औपचारिक रूप से साइन किए गए। इस समारोह में ओडिशा के माननीय उप मुख्यमंत्री, श्री कनक वर्धन सिंह देव और ओडिशा सरकार के प्रधान सचिव (ऊर्जा), श्री विशाल कुमार देव मौजूद थे। पार्टनर संगठनों के सीनियर प्रतिनिधि भी इस मौके पर मौजूद थे, जिनमें डॉ. सत्यप्रिया रथ, मैनेजिंग डायरेक्टर, ग्रिड्को ; श्री प्रशांत चौबे, प्रेसिडेंट, आभाडा ; श्री विवेक जायसवाल, एग्जीक्यूटिव वाइस प्रेसिडेंट, रीन्यू; और आईआईटी भुवनेश्वर से प्रो. चंद्रशेखर एन. भेडे, डीन (स्पॉन्सर्ड रिसर्च और इंडस्ट्रियल कंसल्टेंसी-इन-चार्ज); प्रो. सुभ्रांशु रंजन सामंतराय, प्रिंसिपल इन्वेस्टिगेटर; और प्रो. उमाप्रसन्ना ओझा, को-प्रिंसिपल इन्वेस्टिगेटर शामिल थे।

ये सहयोगी पहलें मिलकर आईआईटी भुवनेश्वर की रिन्यूएबल एनर्जी रिसर्च, इनोवेशन और बड़े पैमाने पर डिप्लॉयमेंट को बढ़ावा देने की प्रतिबद्धता को मज़बूत करती हैं, जिससे ओडिशा और भारत की सस्टेनेबल एनर्जी सॉल्यूशंस में लीडरशिप आगे बढ़ती है।